



आज देवी चंद्रघंटा की पूजा

NBT नवभारत टाइम्स

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 19001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 19001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

नेतन्याहू ने कहा, हमने US को ईरान जंग में नहीं घसीटा देखें अंदर



PLOTS READY FOR POSSESSION

FULLY DEVELOPED GATED TOWNSHIP
ADITYA WORLD CITY, NH-24, GHAZIABAD
REGISTRY FREE & IMMEDIATE POSSESSION
— ONLY 25 UNITS AVAILABLE —



PRICE STARTING ₹ 1.40 Cr* ONWARDS

BOOK TODAY PAY IN 6 MONTHS

- Integrated Gated Township With Community Living
- GDA Approved Freehold Land
- In-Campus Operational School, Shopping Complex, Hindu And Jain Temple
- A Well Populated Township With A Growing Family Community
- Nearby Offices, Education Centres, And Hospitals
- Housing Loan Available From Major Banks

BEST LOCATION **LIVELY NEIGHBOURHOOD** **BEST CONNECTIVITY**

Exclusively Marketed by:

PROPSHOP
THE WAY TO FULFILL YOUR DREAMS
RERA No.: UPRERAAGT10129

9071 760 760

Disclaimer: The advertisement is purely conceptual in nature and includes graphical representation of the project which does not purport to be the exact replica or representation of the Project. Vide this advertisement, the company does not intend to offer or invite to offer any person individual or otherwise to create any legal or relationship. The Company advise the viewer to exercise their discretion. The Viewer/prospective buyer may seek all information including sanctioned plans, approvals, development schedule, time of delivery, specifications, facilities, amenities & scheme details from the company in respect of the concerned project/phase that he/she may be interested in, before proceeding with any such booking/registration, etc. It is to be noted that the Completion Certificate in respect of abovementioned project forming part of the larger township Aditya World City was duly obtained well before the commencement of the Real Estate (Regulation & Development) Act, 2016. PS: 1sq.Mtr:30.764 sq.Ft.

T&C APPLY

सवाद

नवभारत टाइम्स

नवभारत टाइम्स | नई दिल्ली | शुक्रवार, 21 मार्च 2026

महंगाई का डर

इंडस्ट्रियल डीजल के दाम बढ़े

भारत के पेट्रोल मार्केट में इसके प्रतिस्पर्धी वैश्विक की हिस्सेदारी बहुत कम है, केवल 2 से 4% तक। लेकिन, इसका 2.35 रुपये तक महंगा होना बतलाता है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष की वजह से तेज-गति पर उदभव बढ़ रहा है। और शाब्दिक संघर्षों के लिए इसे संभवतः समुचित न हो। इंडस्ट्रियल डीजल के दाम में भी अचानक हीड़ है।

रिफायनरी पर हमले। मौजूदा संघर्ष में तेज-गति दिखावटी को निशाना बनाए जाने के बाद से ग्लोबल मार्केट में अफगानिस्तान का भीड़ल है। कुवैत ने बताया कि शुक्रवार को भी ईंधन में इसकी भीड़ल और अफगानिस्तान रिफायनरी पर हमला किया, जिसके बाद इसके कुल हिस्से को बंद करना पड़ा। सऊदी, UAE और कतर - इन सभी की उद्यमता धमक प्रभावित हुई है, जिससे रकबाई तेज पर उदभव बढ़ रहा है।

गिरता रुक्या। संकेत से निपटने के लिए भारत अपने आबत में विविधता ला रहा है। लेकिन, कूड अफक की बढ़ती कोमन पेशानी की हुई है। कूड अब भी 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर है, जबकि सऊदी अब ने चेकवर्नी दी है कि अगर यूएई जारी रहा तो दाम 80 डॉलर के पार भी जा सकता है। डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट से भारत के लिए पेशानी और बढ़ गई है। उसे तेल की खरीद के लिए ज्यादा विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ रही है। शुक्रवार को रफा ट्यूकर 93.71 पर पहुंच गया।

उपभोक्ताओं पर बोझ। भारत में तेल की कीमतें बाजार स्थितियों के हिसाब से कोणित तय करती हैं। सरकार ने सफ्ट किंग है कि स्टैंडर्ड पेट्रोल के दाम नहीं बढ़े हैं, लेकिन अतिरिक्त प्रीमियम पेट्रोल और इंडस्ट्रियल डीजल का बोझ उपभोक्ताओं पर ही पड़ेगा। इंडस्ट्रियल डीजल के दाम में करीब 21 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इसका इस्तेमाल भारी उद्योगों और हेवी मशीनों में किया जाता है। इसका दाम बढ़ने से उद्योग उद्योग बंद करती हैं, उद्योगों का मुनाफा घटता और कई रजमान गहने हो सकते हैं। कम्पलेंट LPG संकेत की वजह से फले ही करनी असर पड़ रहा है।

वास्तविक समाधान। जपान, ब्रिटेन, फ्रेंस, जर्मनी समेत 6 देशों ने डीजल टैट को आबाजोती के लिए सुविधाजनक समझने का फैसला करती हैं। यह बढ़ते दामों को संभालने का तरीका है कि इन देशों को मानवरी में इस मामले में उदाहरण पड़ रहा है। हालांकि, वास्तविक समाधान अर्थव्यवस्था-इंफ्लेशन और ईंधन के दाम में है। दोनों पक्षों को शांति के लिए प्रयास करने चाहिए, यथा पूर्ण दुनिया के हित में होगा।

और सुनाओ

टैक्स Pair

शादीशुदा जोड़े अक्सर अपने घर के पैसे का हिस्सा-किताब मिलकर रखते हैं। लेकिन ये एक साथ मिलकर टैक्स रिटर्न नहीं भर सकते। इस काम की वजह से कुछ परिवारों को अनजाने में नुकसान उठाना पड़ता है। जयन्तिका-उत्सव सभ्य बच्चा ने इस बात को हाल में संकेत में उठाया, जिससे कई परिवार जुड़ाव महसूस कर सकते हैं।

नए टैक्स सिस्टम के तहत 12 लाख रुपये तक कम्पने वाली को कोई टैक्स नहीं देना पड़ता। जिस पर भी पति और पत्नी दोनों 10-10 लाख रुपये तक करती हैं। घर की कुल कमाई 20 लाख रुपये होने पर भी टैक्स जोगे होगा, क्योंकि पति और पत्नी को अलग-अलग स्टूट मिलकर 24 लाख पहुंच जाती है। अगर किसी परिवार में केवल एक सदस्य 20 लाख रुपये कमाता है, जबकि दूसरा परिवार बच्चे की देखभाल के लिए घर पर रहता है। तब भी घर की कुल कमाई 20 लाख रुपये ही है। लेकिन इस परिवार को काफी टैक्स देना पड़ता है। एक छत, एक स्कूल और एक ही घर का वजत होने के बावजूद, टैक्स भरने समय इस परिवार को फाटन खत्म हो जाते हैं।

इस खल वजत से पहले इंस्ट्रुट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया ने भी पति पत्नी को सलह दी थी कि शर्दीशुदा जोड़े को एक साथ मिलकर टैक्स रिटर्न भरने का विकल्प मिलना चाहिए। यह कई परिवारों के लिए टैक्स के बोझ को कम कर सकता है और इससे कमाई करवाई कम हो सकती है। यह कदम भारत को दुनिया के अन्य देशों के तीर-तरीकों से सवर लाता है। अमेरिका और कुछ यूरोपीय देश इसकी अनुमति देते हैं। मुश्किल ये है कि भारत में टैक्स सिस्टम हर ईंधन को एक अलग टैक्सपेयर मानता है। जॉइंट ब्रह्मलिंग के लिए उदाहरण के तौर पर बताना होगा। टैक्स रिटर्न प्रोसेस करने वाले पूरे सिस्टम को फिर से डिजाइन करना होगा।

जॉइंट ब्रह्मलिंग के जरिये सबसे बड़ा बदलाव होममेकरन की बिंदियों में किया जा सकता है। बच्चों की देखभाल और घर सभालने को भी इसके दायरे में लाया जा सकता है। भले ही इसके बदले पैसे न मिलते हों, लेकिन परिवार को कमाने में इसे एक बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान माना गया है। इसके लिए जॉइंट ब्रह्मलिंग के दायरे में होममेकरन के जरिये टैक्स ट्यूट दी जा सकती है। अभी कमाने वाला पति अपने होममेकरन पत्नी के नाम एफडी करे तो उसके ब्याज पर पति को ही टैक्स देना होगा। यह कबजिंग ऑफ इनकम रूल है, जिसका मकसद टैक्स चोरी बचाना है। लेकिन एक सौदा तक इस पर भी टैक्स ट्यूट देने पर क्या होममेकरन पहिलेतर अधिक रूप से सशक्त होगी, इस पर भी विचार किया जा सकता है।

ऑफ दि ट्रैक

पानी में डूबता भविष्य

दुनिया भर में पानी की कमी और स्वच्छता का संकेत आज भी जटिल और असमंजसपूर्ण समझा है। इसका सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों और लक्षितों पर पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र ने चेकवर्नी दी है कि यदि इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया, तो यह ग्लोबल स्तर के अधिक और सभानिक विकास को बुरी तरह प्रभावित करेगा। दुनिया के और UNICEF की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, विश्वसंकेत देशों में अपना प्रथम परिवारों के साथ ग्लोबल प्रभावित हो रहा है। दुनिया के 70% से अधिक परिवारों में पानी को गंभीरता से पहिलेतर पर लेती हैं। विश्व स्तर पर पहिलेतर और लक्षितों वैश्वता लगभग 25 करोड़ घड़ पानी जुटाने में खर्च करती हैं। जलवयु परिसरों में सूखे और भीड़ का खतरा है। लापरवाह बढ़ने के साथ जल जेत सूखे रहे हैं। स्वच्छता का अभाव भी गंभीर समस्या है। कम आय वाले देशों में लक्षितों और शौचालय की कमी के कारण सूखे लेने को मानव हो जाते हैं। 2024 के आंकड़े बताते हैं कि दुनिया में अरबों लोग इस समस्या को झेल रहे हैं। पानी को भी स्थिति बिनासक है। सल 2019 से 2021 के दौरान फैसिलिटी सूखे से अकेल, भारत में लगभग 71% ग्रामीण क्षेत्रों में पानी लने की हिम्मेदारी पहिलेतर पर है। ये जल बंद विलेनीय रजकनर पानी लती हैं, जिससे उनकी आय, स्वास्थ्य और शिक्षा प्रभावित होती है।

होमजु स्ट्रेट में रुकावट से रूसी तेल की मांग बढ़ी, दाम बढ़ने से अरबों का मुनाफा अभी युद्ध का असली विजेता रूस है

अमेरिका और ईंधन का टकराव दिखाता है कि एक जगह का संकेत पूरी दुनिया को प्रभावित कर सकता है। पिछले महिने हुए हमलों में ईंधन के सर्वोच्च नेत्र अथकृतलाह अली खामेनेई की मौत ने स्थिति को और गंभीर बना दिया। हमलों और जवाबी कार्रवाई से पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ गया है।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में रुकावट से तेल की रकबाई प्रभावित हुई है, जिसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। इस स्थिति ने दूसरी बड़ी तकती को भी अपनी रणनीति बदलने का मौका दिया, जिससे अंतरराष्ट्रीय राजनीति और पैचीदा हो गई है।

आर्थिक फायदा। रूसी रणनीति के लिए यह टकराव एक अतीव रणनीतिक स्थिति बनता है। रूस ने हमलों की आलोचना की और ईंधन को कुछ खुफिया जानकारी भी दी। मगर यह इसमें संदेह शामिल नहीं हुआ। इसकी प्राथमिकता यूक्रेन है। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से पश्चिम का ध्यान बंट रहा है, जो रूस के लिए फायदेमंद हो सकता है। उसे युद्ध से अधिक फायदा हो रहा है। लड़ाई शुरू होने ही तेल की कीमतें बढ़ गईं। इससे रूस की कमाई बढ़ी, क्योंकि इसका तेल भी महंगा बिना।

होर्मुज में रुकावट से एशियाई देशों ने भी रुकावट बढ़ाई, जहां रूसी तेल एक आबत विकल्प बना गया और इसका बाजार बढ़ा। **कमाई बढ़ेगी**। यह कोई छोटी-पेटी रणनीति नहीं है। रूस के वजत का 30-45% हिस्सा तेल और गैस से आता है। कोमने बढ़ने से इसकी अरबों डॉलर की अतिरिक्त कमाई हो सकती है, जो इसकी युद्ध अर्थव्यवस्था और यूक्रेन में तैय अर्थव्यवस्था को सजक करेगी। यूरोपीय युनियन के प्रेषित एंटीबिजे कोस्टन ने रूस को इस संकेत का समर्थन बढ़ा बिना बतलाया। उनका कहना है कि उच्च कोमने से रूस को फायदा मिल रहा है। जबकि संयुक्त अरब अमीरात मोर्चा पर बंट रहे हैं। इथियोपिया और रक्षा प्रणाली का इस्तेमाल अन्य जगह होने से यूक्रेन की सुरक्षा भी प्रभावित हो सकती है।

कीव कमजोर। अमेरिका और इजराइल के अंतर्राष्ट्रीय में प्रिंसिपल-गाइडड इथियोपिया, पैट्रियट इंटरनेशनल और उद्यमता धमक का इस्तेमाल हो रहा है। इनका उपयोग रूस के खिलाफ संघर्ष में यूक्रेन



की मदद के लिए किया जा सकता था। अगर इनकी शोदी भी कमी हो जाती है, तो कीव का एयर डिफेंस और लंबी दूरी तक हमला करने की क्षमता कमजोर हो सकती है। ऐसे मौकों का रूस अपनी अगली रणनीति में फायदा उठा सकता है।

ईरान की निरभरता। भू-राजनीतिक स्तर पर देखें तो यह संकेत रूस और ईंधन के बढ़ते संबंधों को और मजबूत करेगा। 2025 के समझौते के बाद देशों के बीच तनाव और खुफिया सहयोग भी है। यूक्रेन में रूस ईंधन को बढ़ते खुफिया जानकारी और कुछ मदद भी दे सकता है। कपजोर लंबी ईंधन सप्लाई रूस पर ज्यादा निर्भर हो सकती है, जिससे पश्चिम एशिया में इसका प्रभाव बढ़ेगा। फिर भी इसे रूस को बढ़ी तकत मानना गलत होगा, क्योंकि यह इन हमलों को रोक नहीं पाएगा और न ही ईंधन की रक्षा कर सकेगा। इससे रूस की सहयोग के बावजूद रूस सीधे तैय हस्तक्षेप से बचना चाहता है।

मुश्किल भी। कहा जा रहा है कि यह संकेत लंबे समय में रूस के खिलाफ भी जा सकता है। अगर ईंधन की सप्लाई गिरती है या उसे अमेरिका के साथ समझौते करना पड़ सकता है, तो रूस अपना एक अहम सहयोगी खो

रहा है, लेकिन क्या वह इसे रखावी तकत में बदल पाएगा, यह अभी साफ नहीं है। (लेखक इमैड के किंगस कॉलेज में प्रफेसर हैं)

1 सस्ते विकल्प आएंगे
सेमामुटाइड का पेटेंट खत्म होने से ओजेमिक (Ozempic) और वेगोवी (Wegovy) के सस्ते विकल्प बाजार में आएंगे। अभी ये महंगी हैं, इसलिए इनकी पहचान भी संभवित है। उपलब्धता बढ़ने से कोई चिंता नहीं रहेगी।

2 रिलम बनने की चाह
अभी मोटापा और डायबिटीज कम करने के लिए इनका इस्तेमाल किया जाता है। सरती होने पर लोग रिलम करने के लिए भी इसे लेने लगे। इससे दवा का मूल उद्देश्य प्रभावित हो सकता है।

5 पाइंट

3 बीमारी न बन जाय दवा
डायबिटीज और मोटापे के इलाज में कारगर सेमामुटाइड का पेटेंट खत्म हो गया। इससे सरती जेनरिक दवाओं की एंटी होगी। इलाज के अवसर तो बढ़ेंगे, लेकिन कुछ सावधानी भी जरूरी है।

4 एंटीबायोटिक्स जैसा हाल
विता है कि एंटीबायोटिक्स की तरह लोग इसे भी ओवर-उस-काउंटर यानी बिक्री-रहित रूप में सही-सही तरीके से लेते होंगे। जलौनिक, वेलेन्स लेजर और ऑनोचरिकल सर्जवाई चैन इसे प्रोत्साहित करेंगे, जिससे दुरुपयोग का खतरा है।

5 सख्त नियमन की दरकार
सरकार, डॉक्टर-अस्पतालों और उद्योगों को उदाहरण के तौर पर नियम बनाने होंगे। सही तरीके तक पहुंच सुनिश्चित करने होंगे। गलत उपयोग, ओवर सेल पर निगरानी जरूरी होगी। प्रत्यक्ष आर्थिक नियम

निष्पक्ष होना काफ़ी नहीं, दिखना भी जरूरी

चुनाव आयोग और विपक्ष के बीच का रिश्ता इस समय सबसे निचले स्तर पर है। मुख्य चुनाव आयोग के खिलाफ विपक्ष महाभियोग लेकर आया है। SIR को लेकर उभरे सवाल हैं और आयोग की निष्पक्षता को लेकर संदेह। इस बीच 5 राज्यों के चुनाव भी होने हैं। पूर्व मुख्य चुनाव आयोग अजीत प्रताप ने अजय प्रताप निवारियों के साथ बातचीत में माना कि केवल सही निर्णय लेना पर्याप्त नहीं है, जगत और विपक्ष का परस्पर जीवन के लिए पारदर्शिता भी जरूरी है।

cVIGIL जैसे डिजिटल सुधार और चुनाव आयोग की नियुक्ति की नई प्रक्रिया सकारात्मक कदम है, लेकिन राजनीतिक दबाव के बीच अपनी स्वायत्तता बरकरार रखना आयोग के लिए आज बड़ी चुनौती है।

पूर्व दुनिया में जहां भी लोकतंत्र है, वहां यह स्वाभाविक स्थिति है। चुनाव आयोग ने शुरू से निष्पक्षता का प्रयास किया है। पूरी दुनिया में भारत के चुनाव आयोग की उच्च सफाई-सुवर्ण रही है। इसलिए आगे भी ऐसी स्थिति बरकरार रखने के लिए आयोग और उनके अधिकारियों को तय करना होगा कि हमेशा सही निर्णय लेना पर्याप्त नहीं है, आपके फैसले पूरी तरह निष्पक्ष दिखने चाहिए।

विपक्ष आयोग लगाता रहा है कि चुनाव में अनिष्पक्षता की शिकायतों की जांच में देरी होती है। इनके कारण क्या है?
देरी के कई कारण हो सकते हैं। चुनाव आयोग का cVIGIL एलिमेंशन करने प्रभावित है। लोगों की शिकायत दर्ज करने और उन पर कार्रवाई करने के लिए इसे तैयार किया गया है। इसके जरिये शिकायतकर्ता जान सकते हैं कि उनकी शिकायत पर क्या कार्रवाई हुई। आयोग ने इसके लिए 100 मिनिट की समयसीमा तय की है। 2019 के लोकसभा चुनावों में cVIGIL के अतिरिक्त परिणाम मिले थे। अभी जिन उम्मीदवारों और पार्टियों में चुनाव हो रहे हैं, वहां के लोगों को भी इसके लिए जागरूक करना चाहिए।

चुनाव आयोग की नियुक्ति और उनकी जवाबदारी को और मजबूत कैसे किया जाय?
अब तक किए गए सुधार सही दिशा में हैं। पहले सरकार चुनाव आयोग नियुक्त करती थी, लेकिन अब संविधान पर पड़ सकता है। जिनमें नेत्र प्रशिक्षण भी शामिल होतें हैं। इससे निष्पक्षता बढ़ी है। यह सही दिशा में उदाहरण एक कदम है। इससे चुनाव आयोग की नियुक्ति प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी हुई है।

ससाहा का इंटरव्यू

ओ.पी. रावत

आयोग की उच्च को नुकसान पहुंचा है। किसी भी संवैधानिक संस्था को हमेशा अपनी विजिलेंसिटी पर ध्यान देना चाहिए। यह नहीं होगा चाहिए कि केवल हमें लगे कि हम निष्पक्ष निर्णय ले रहे हैं और जनता का भरोसा खोते रहे।

संवैधानिक संस्था होने के बावजूद अब चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर जनता भी सवाल पूछ रही है। आयोग के लिए यह स्थिति किसी चुनौतीपूर्ण है?
आयोग के जिन फैसलों का विरोध हो रहा है, उसे उस पर ध्यान रखना सही करना चाहिए। अगर कोई राजनीतिक दल विरोध जता रहा है, तो तुरंत कोर्ट जांच कर रिपोर्ट साबित करने की जाएगी। इससे लोगों को भरोसा होगा कि आयोग निष्पक्ष है।

पश्चिम बंगाल समेत 4 राज्यों और एक केन्द्र शासित प्रदेश में चुनाव की घोषणा की गई है। इसमें क्या चुनौती हो सकती है, खासकर बंगाल में?
चुनाव के वक्त आयोग के सामने कई चुनौतियां रहती हैं। आयोग की हमेशा कोशिश रहती है कि किसी भी राज्य में चुनाव आयोग तयिके से हो जाए। वहां भी चुनाव आयोग ऐसा ही करेगा।

क्या कुछ घररों में आयोग पर राजनीतिक दबाव बढ़ा है या यह स्वाभाविक स्थिति है?

ससाहा का इंटरव्यू

ओ.पी. रावत

आयोग की उच्च को नुकसान पहुंचा है। किसी भी संवैधानिक संस्था को हमेशा अपनी विजिलेंसिटी पर ध्यान देना चाहिए। यह नहीं होगा चाहिए कि केवल हमें लगे कि हम निष्पक्ष निर्णय ले रहे हैं और जनता का भरोसा खोते रहे।

संवैधानिक संस्था होने के बावजूद अब चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर जनता भी सवाल पूछ रही है। आयोग के लिए यह स्थिति किसी चुनौतीपूर्ण है?
आयोग के जिन फैसलों का विरोध हो रहा है, उसे उस पर ध्यान रखना सही करना चाहिए। अगर कोई राजनीतिक दल विरोध जता रहा है, तो तुरंत कोर्ट जांच कर रिपोर्ट साबित करने की जाएगी। इससे लोगों को भरोसा होगा कि आयोग निष्पक्ष है।

पश्चिम बंगाल समेत 4 राज्यों और एक केन्द्र शासित प्रदेश में चुनाव की घोषणा की गई है। इसमें क्या चुनौती हो सकती है, खासकर बंगाल में?
चुनाव के वक्त आयोग के सामने कई चुनौतियां रहती हैं। आयोग की हमेशा कोशिश रहती है कि किसी भी राज्य में चुनाव आयोग तयिके से हो जाए। वहां भी चुनाव आयोग ऐसा ही करेगा।

क्या कुछ घररों में आयोग पर राजनीतिक दबाव बढ़ा है या यह स्वाभाविक स्थिति है?

गमला बन गया CCTV कैमरा

कुछ दिनों पहले एक कश्तान के सभों में गुजर रहा था तो कहां लगे बर्ड पर नजर पड़, आप कैमरे की नहीं, अलबत्ता की नजरो में है। पिछले खल कृष भेने में जब एक दिन में करोड़ों के रजान की जल आने लगी थी तब दुनिया हैल में थी कि पिछले कैमरे? जबक आया था- AI से एक हीटी फिल्म आई थी, इसमें हीरो भाषकर मुंबई चलता जात है। उसके जयन्तीक सख्त जाले जाब से पुलिस अफसर कलता है कि लड़के का कोई फोटो डिलीटआए, नहीं तो इतने बड़े शहर में यूट्रो कैमरे। यह तुरंत फल्ट कर पुलिसवाले से फूटत है, कब्रें जल फोटो नहीं खींचे जाते थे, तब क्या लड़के नहीं दूटे जाते थे?

दुनिया में CCTV कैमरा प्रचलित होने और AI के जलवे के बीच के दौर में दुनिया में कोमन आया था। उन समय घर से निकलना बड़ा था, हालांकि शहरों में जरूरी सभानों के दुकानदरों और गांवों में किसानों को दरसे दूर थी। लेकिन कई बड़ों तब भी लुगु भी और लोग धमकरी की चोट में आ रहे थे। ऐसे दौर में जब तक प्रथम होप की दुनिया उदभव्य होने की वजह से मैं करीब उधर महीने

पर रहा था। अपने खाने लाकर लेनी आज भी हमारी होती है। उस समय भी वहां रहते हुए यह तब किंग कि इस बार सेमामुटाइड की जगह बाल नमक पाना नोपेगा। चिकि इतके बरे में काफी बरा सुन चुका था। अब काल नमक का बंड आर कल से? बीज आया यूगी के रिजल्ट नगर से। वहां से सड़क मार्ग से लखनऊ, फिर बाघु मार्ग से पटना और राउफ मार्ग से बकस। हवाई मार्ग में कुछ फांटे निकलत और इसे दोबारा गोरखपुर से मंगाना पड़ा। उर्रे, लेनी शुरू हुआ। डिस्कल यह बी में किंग मुश्किल बन रहा था और गांव वहां से पढ़ किमी दूर। उर्रे दूर में मुझे कोमन हो गया। बहर निश्चलता बंड। मैंने CCTV कैमरे को ध्यान में रखकर सोचा। इसके बाद कुछ बीज पास रखकर कहीं गांव निजला दिख गया। जिस दिन गांव में बीज आया, उर्रे दिन मैंने एक छोटे से डब्बे में कुछ बीज डाल कर सरती कमाई। उधर, जिस दिन सरती से उखाड़ कर धान जेत में बेगे गए, उस दिन मैंने भीड़ उखाड़ कर नदतुम्ब गमले में बेप दिए। जिनमें बहुत बड़े पौधों की हो थी, उससे किंग जेत में यह कह अंडना ला रहा था कि वहां पौधों की धरक कैमरे है? समझिए यह गमला CCTV कैमरा ही था। अब गांव में फोन पर बात करने में मजबूत आने लगा था। अब तब भी तब तक लंबे हो गए हैं। लो गे लोग कि जगह हो गई है, तुम्हारा गांव में भी लगे को आरचयव होत था। कैमरा का गन बलट दिवें तक नहीं खुल। इसी दौरान मैंने नाब वाले गमले का फोटो रिकॉर्ड बिनाइय पर डाल कर इतना ही लिख-रिखत। आंखों की भरे कई सभों फोन कर उसका अर्थ पूछते हैं।

नवीन कृष्ण

खुद अपनी आंख से

चलते-चलते...

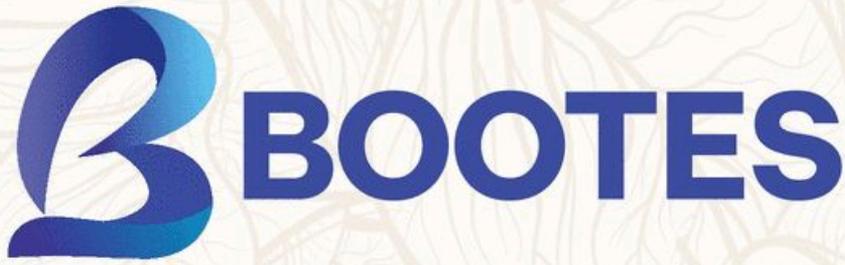
एक हालिया रिसर्च बताती है कि मलेरिया के लिए जिम्मेदार परजीवी Plasmodium falciparum में संकेत ईंधन की तरह एक सख्त सिस्टम होता है। इसकी कोशिका में मौजूद छोटे-छोटे लोहे (हीम) क्रिटल (जी) से घुसे रहते हैं। इन क्रिटल को हाइड्रोजन पेरॉक्साइड के पानी और ऑक्सीजन से टूटने से रजनी मिलती है। इसी की वजह से इस परजीवी पर केमिकल का असर नहीं होता।

रीडर्स मेल

संघर्ष का असर
20 मार्च का संसदीय 'गलत कर्ब संकेत' पढ़ा। यह इजराइल और अमेरिका ने ईंधन पर हमला करके की सला परिलान के उद्देश्य से किया है, तो निष्पक्ष भविष्य में तब दुनिया पुर होक नहीं दिखता। लेकिन इस संघर्ष ने दुनिया को एक बड़े कर्ब संकेत के खतरों का स्पष्ट संकेत दे दिया है। दुनिया के सबसे बड़े प्रकृतिक गैस भंडारों में से एक राउफ मार्ग गैस फोल्ड पर हमले ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। इससे गैस उद्यमन में गिरावट आने की आशंका है, जिसका असर वैश्विक आर्थिक पर पड़ सकता है। भारत जैसे देशों के लिए इससे परिणाम विनासक हो सकते हैं। उर्वरक, इस्पात और सभान उद्योग गैस पर काफी निर्भर हैं- ऐसे में इनकी सप्लाई भी पड़ सकती है या उद्यमन तप भी हो सकता है।

युद्ध की नीति
18 मार्च का संसदीय 'तक पर मानवता' अत्यंत प्राणिक है। आज पश्चिम एशिया और मध्य पूर्व के हालात को देखकर एशिया प्रान्त होता है कि मानवता कहीं खोती जा रही है। युद्ध अब केवल सशस्त्र प्रदर्शन और विनाश का सभान बनकर रह गए हैं। महाकांत के 'शांति चर्च' में भीम विनाशक 'भूमि-युद्ध' की स्पष्ट मर्बादर निर्धारित की थीं, जो आज के वैश्विक नेतृत्व के लिए भी एक महत्वपूर्ण चीज हो सकती है। जो युद्ध नहीं कर रहा हो, जो भयभीत हो या निश्चला हो, उस पर प्रहार करना अधर्म है। युद्ध का उद्देश्य शत्रु का विनाश होता चाहिए, मानवता का नहीं। आप भी ध्यान रखना चाहिए कि युद्ध का प्रभाव आम जनजीवन पर न्यूनतर पड़े। जीत का अहंकार और प्रिडोष की भावना न्याय के विनाशक है। युद्ध का अंत शत्रु की स्थापना के लिए होता चाहिए, न कि शत्रु के पूर्ण समूल नाश के लिए।

अभय कुमार, ग्रेटर नोएडा



LUXURY RESIDENCES ENGINEERED FOR AQI < 50

ASPIRE LEISURE VALLEY

GREATER NOIDA (WEST)

3 & 4 BHK LUXURY RESIDENCES

Basic Sale Price (BSP) ₹ **8,299** /sq.ft.*

ASPIRE SILICON CITY

CENTRAL NOIDA

4 BHK LUXURY RESIDENCES

Basic Sale Price (BSP) ₹ **13,991** /sq.ft.*

PROJECT SNAPSHOTS

- Constructed by NBCC (India) Ltd
- 46,000 Sq.ft Club House with Modern Amenities
- HVAC: VRV Air Conditioning

KEY HIGHLIGHTS

- Timely Delivery
- Assured 24x7 Clean Air with an AQI < 50 for healthier, future ready living
- Triple Layered Security

📞 7827-724-724



Disclaimer: BOOTES Aspire Leisure Valley, known as Aspire Leisure Valley, and BOOTES Aspire Silicon City, known as Aspire Silicon City, located in Noida/Greater Noida, form part of the Amrapali Group stalled projects being completed under the directions of the Hon'ble Supreme Court of India in Writ Petition (Civil) No. 940/2017. NBCC (India) Ltd. has been appointed by the Hon'ble Supreme Court as the Project Management Consultant for completion of the stalled projects. The sale of certain unsold residential units was conducted through e-auction by NBCC under the supervision of the Ld. Court Receiver, wherein Bharat Volt Pvt. Ltd. was declared the successful bidder and issued a Letter of Intent by the Ld. Court Receiver for sale of such units. Images and visuals are indicative and for representational purposes only. Prospective buyers are advised to independently verify all project details, approvals, specifications, and terms before making any purchase decision. Terms & Conditions Apply*.

NOTE :-

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS

[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot

Or type in Search box of Telegram

@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel

BACKUP GROUP LINK

<https://t.me/joinchat/5P9EL1JaQoYzNTI1>

**Hindi-English News Paper
Website:- onlineftp.in**